Capacity Building Workshop on Development of Online Courses using OERs and Moodle LMS

01-02 March, 2019

Organized by

Uttarakhand Open University, Haldwani
With the support of
Uttarakhand Science Education and Research Center(USERC), Dehradun

Background

Teaching and Learning has changed in the 21st century. The British Open University and other Traditional Universities have developed online distance courses. Private institutions are also offering online courses. Students' world over in the coming years will be using the e - learning tools more then the printed textual material and India is not far behind. The world wide e learning industry is estimated to be worth over $48 billion.

Open Universities in the last more then 20 years have moved from print material to web based courses for delivery of instruction. With the emergence of new technologies, the universities have to move fast and keep the pace with the rest of the world.

Online Learning is mainly the transfer of skills and knowledge through computer. The content is delivered via Internet or audio/video or satellite or CDROM.

Keeping this new technological development in view, the teachers should be prepared to meet the challenges of the future. In this connection, UOU in collaboration with USERC, Dehradun propose to organize two days workshop on how to create /develop online courses.

Objectives

The training objectives of this two day workshop will be to:

- Explain and Describe the Instructional Design for Online Courses.
- Highlight some of the tools used to create online courses
- Understand the Learning Management System
- Publish the Resources for an Online Course
- Create an Online Course using Moodle.

Venue

The two days workshop was held at Uttarakhand Open University, Haldwani**.**

Dates

The programme was organized from **01-02, March, 2019**.

Participants

The 68 participants from various institutes like *Aryabhatta Research Institute of Observational Sciences*, Nainital, *Birla Institute of Applied Science*, Bhimtal, *BCT Kumoun Institute of Technology*, Dwarahat, *GB Pant Institute of Engineering*, Pauri, *University of Petroleum and Energy Studies*, Dehradun, *Devsanskriti Vishwavidhyalaya*, Haridwar, *Kumoun University*, Nainital and Almora Campus, *GB Pant University of Agriculture & Technology*, Pantnagar, etc. attended the training programme along with the faculty members and ICT staff from Uttarakhand Open University.

Methodology

This training is awareness and Capacity Building programme to the faculty of university in developing Online Courses. The methodology used for the training will make full use of experiential learning methodologies. Accordingly the programme will use structured presentations on the new concepts. After the brief presentations, the faculty will work individually on the terminal and explore the usefulness of the new technology for their courses.

Convener

Prof Durgesh Pant
Professor and Director
School of Computer Science & IT, UOU

Organizing Secretary

Dr. Jeetendra Pande
Assistant Professor
School of Computer Science & IT, UOU

Organizing Team:

1. Mr. Balam Singh Dafouti
   Academic Associate- School of Computer Science & IT

2. Mr. Rajesh Arya
   Hardware Engineer- ICT Cell

3. Mr. Jitendra Kumar Dwivedi
   Programmer- ICT Cell

4. Mr. Vineet Paudiyal

Hardware Engineer- ICT Cell

5. Mr. Rajendra Goswami
   Programmer- ICT Cell

6. Mr. Mohit Singh Rawat
   Network Engineer- ICT Cell

Resource Person (s):

Dr. Nisha Singh
Deputy Director, STRIDE, IGNOU
drnisha@ignou.ac.in

Details of the session(s)

Day I

10am-11.15am
Inauguration Session and Exploring Online Learning :Online Courses and MOOCs

11.15am-11.30 am
Tea Break

11.30am-1.00pm
Instructional Design; Designing Online Course (course map like concept maps; Blueprints)

1.00pm – 2.00pm
Lunch Break

2.00-3.15pm
Learning Management System (MOODLE): *Course on MOODLE*

3.15 pm-3.30pm
Tea Break

3.30pm-5.00pm
Creating Resource; Multimedia and Online Assessment

Day II

10am-11.15am
Working on MOODLE: creating Activities (Discussion Forum)

11.15am-11.30 am
Tea Break

11.30am-1.00pm

Working on MOODLE: creating Activities
(Assignments & quiz

1.00pm – 2.00pm
Lunch Break

2.00-3.15pm
Working on MOODLE: Managing the Learning Environment

3.15 pm-3.30pm
Tea Break

3.30pm-5.00pm
Participants Presentation Feedback from participants and Concluding Session

Event Photographs

Learning Management System
01-02 March, 2019
Organized by
uter Science & IT, Uttarakhand Open University, Haldwani
Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC), Dehradun
Haldwani
Shot on Realme 2

Capacity building Workshop
on
Development of Online Courses using
Moodle Learning Management System
01-02 March, 2019
Organized by
School of Computer Science & IT, Uttarakhand Open University, Haldwani
In Collaboration with Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC), Dehradun
Haldwani
Shot on Realme 2

Capacity building Workshop
on
Development of Online Courses using
Moodle Learning Management System
01-02 March, 2019
Organized by
School of Computer Science & IT, Uttarakhand Open University, Haldwani
In Collaboration with Uttarakhand Science Education and Research Centre (USERC), Dehradun
Haldwani
Shot on Realme 2

Courses using
arning Management System
01-02 March, 2019
Organized by
Science & IT, Uttarakhand Open Univ
khand Science Education and Research Cent
Shot on Realme 2

Shot on Realme 2

Capacity building Workshop
on
Development of Online Courses using
Moodle Learning Management System
01-02 March, 2019
Organized by
School of Computer Science & IT, Uttarakhand Open University, Ha
Shot on Realme 2

उत्तराखण्ड शासन
ng
stem
rsity, Haldwani
e (USERC), Dehradu
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY
श्रद्धावाँल्लभते ज्ञान
Haldwani
Shot on Realme 2

Capacity building Workshop
on
Development of Online Courses using
Moodle Learning Management System
01-02 March, 2019
Haldwani
Shot on Realme 2

उत्तराखण्ड शासन

stem
ity, Haldwani
(USERC), Dehradun

lanagement System
rch, 2019
ized by
arakhand Open University,
cation and Research Centre (USE

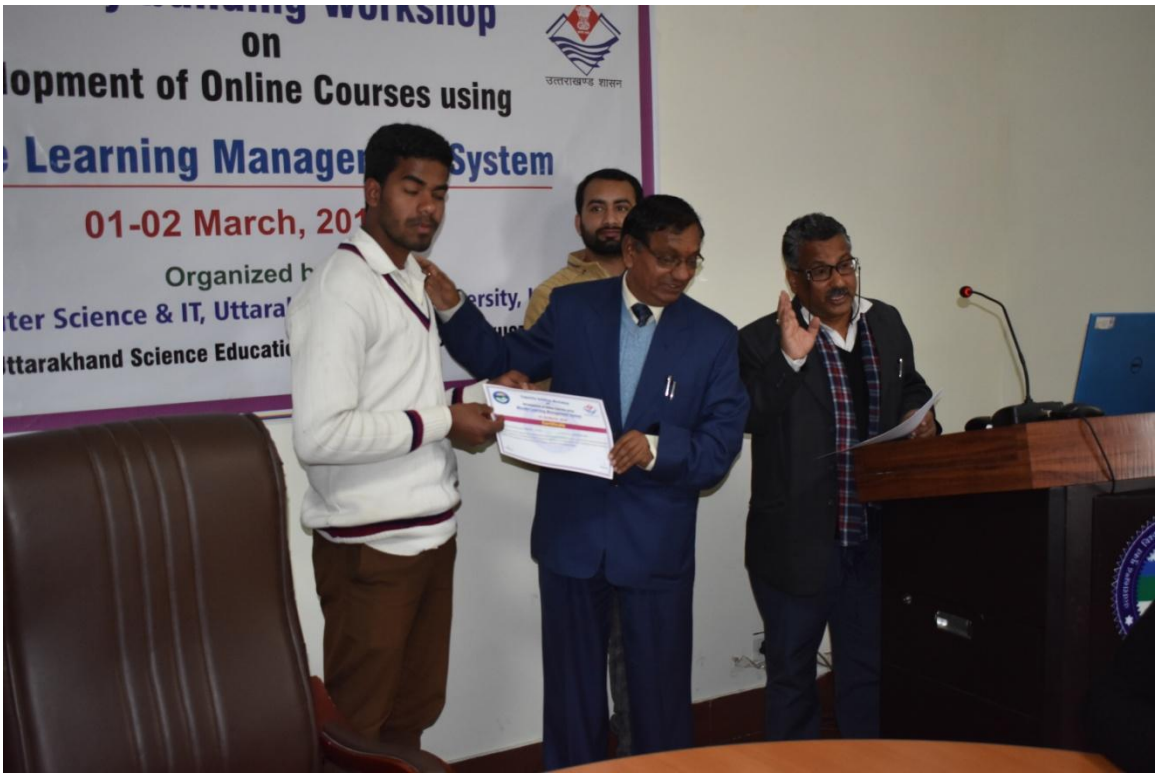
on
उत्तराखण्ड शासन

अमर उजाला

यूओयू का वर्चुअल कक्षाओं पर फोकस

अमर उजाला ब्यूरो

संबोधित करतीं डॉ.निशा सिंह।

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान विद्या शाखा और सूचना संचार तकनीकी अनुभाग ने यूसर्क (उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा शोध परिषद् देहरादून) के सहयोग से डिजिटल कंटेंटस के प्रबंधन की क्षमता को विकसित करने एवं ऑनलाइन शिक्षा में डिजिटल कंटेंटस के प्रबंधन को लेकर शुक्रवार को दो दिनी कार्यशाला शुरू हुई।

मुक्त विवि के कुलपति प्रो.ओपीएस नेगी ने कहा कि अभी हम वर्चुअल कक्षाओं पर फोकस कर रहे हैं, जिसके माध्यम से हम दूर एवं घर बैठे छात्रों को ई-वीडियो, ई-आडियो और ई-टेक्सट से शिक्षा दिला सकते हैं। कंप्यूटर विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो.दुर्गेश पंत, इग्नु आईयूसी की उपनिदेशक एवं विषय विशेषज्ञ डॉ.निशा सिंह ने भी विचार रखे। कार्यशाला में विवि के प्रो.आरसी मिश्र, प्रो.एचपी शुक्ल, प्रो.गिरिजा पांडेय, परीक्षा प्रभारी प्रो.पीडी पंत, कुलसचिव भरत सिंह, डॉ.जितेंद्र पांडेय, बालम दफौटी, डॉ.रंजू जोशी पांडेय, डॉ.मदन मोहन जोशी, डॉ.सूर्यभान सिंह, डॉ.कमल देवलाल, डॉ.चारू पंत, डॉ.प्रीती बोरा आदि थे। इसमें विभिन्न विवि और इंजीनियरिंग संस्थानों के विद्यार्थी भी भाग ले रहे हैं। संचालन कार्यशाला संयोजक डॉ. जितेंद्र पांडेय ने किया।

उत्तर उजाला 12

वर्चुअल कक्षाओं पर यूओयू का फोकस : नेगी

डिजिटल कंटेंटस के प्रबंधन पर चर्चा

यूओयू सभागार में आयोजित कार्यशाला में मौजूद विशेषज्ञ

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर, सूचना विज्ञान विद्याशाखा और सूचना संचार तकनीकी अनुभाग ने यूसर्क उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा शोध परिषद के सहयोग से विश्वविद्यालय में शुक्रवार को डिजिटल कंटेंटस के प्रबंधन की क्षमता को विकसित करने एवं ऑनलाइन शिक्षा में डिजिटल कंटेंटस के प्रबंधन को लेकर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की है। कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी द्वारा किया गया। कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में इग्नु आईयूसी की उप निदेशक डा. निशा सिंह थी। उद्घाटन सत्र में यूसर्क के निदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने विषय की रूपरेखा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में हम घर पर शिक्षा प्रदान करने वाले विश्वविद्यालय हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना ही इसीलिए की गयी कि वे हर वंचित को उनके द्वार जाकर शिक्षा प्रदान करें और इसे सफल बनाने में डिजिटल कंटेंटस एवं सूचना तकनीकी की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि डिजिटल कंटेंटस के प्रबंधन में आईयीटी का अभूतपूर्व योगदान हो सकता है। उन्होंने कहा कि हम वर्चुअल कक्षाओं पर फोकस कर रहे हैं जिसके माध्यम से हम दूर एवं घर में बैठे अपने छात्रों को ई वीडियो, ई ओडियो तथा ई टेक्सट के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। यूओयू कम्प्यूटर विज्ञान विद्याशाखा व यूसर्क के निदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा कि आनलाइन कोर्स में डिजिटल कन्टेंटस के शत प्रतिशत प्रयोग को लेकर यूसर्क और यूओयू का यह साझा प्रयास है जो उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों तथा यूओयू की कार्यप्रणाली के अनुरूप कारगर साबित होगा। तकनीकी सत्र में कार्यशाला की विषय विशेषज्ञ डा. निशा सिंह ने विभिन विश्वविद्यालय, तकनीकी एवं शोध संस्थानों से आये इंजीनियर व वैज्ञानिक प्रतिभागियों को ऑनलाइन कोर्स में डिजिटल कंटेंटस का सफल प्रबंधन कैसा किया जाये उसकी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से ओपन एजुकेशनल रिसोर्स, क्रिएटिव कामंस लाइसेंस एवं मूडल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के बारे में जानकारी व प्रशिक्षण दिया। इस दौरान प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. एचपी शुक्ला, प्रो. गिरिजा पाण्डे, प्रो. पीडी पंत, विवि के कुलसचिव भरत सिंह, डा. जितेंद्र पांडे, बालम दफौटी, डा. रंजू जोशी पांडे, डा. मदन मोहन जोशी, डा. सूर्यभान सिंह, डा. कमल देवलाल, डा. चारू पंत, डा. प्रीति बोरा आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया

दूरस्थ शिक्षा में डिजिटल कंटेंट्स प्रबन्धन की अहम भूमिकाः नेगी

हल्द्वानी | **मुख्य संवाददाता**

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाइन शिक्षा में डिजिटल प्रबंधन विकास विषयक कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रो.ओपीएस नेगी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में डिजिटल कंटेंट्स प्रबन्धन की अह्म भूमिका है।

उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के पाठ्यक्रम को पूरी तरह से ऑनलाइन कर दूरस्थ शिक्षा का बेहतर ढंग से प्रसार किया जा सकता है। यूओयू परिसर में उत्तराखण्ड विज्ञान शिक्षा शोध परिषद यूसर्क के सहयोग के आयोजित कार्यशाला में प्रो. नेगी ने कहा कि डिजिटल कंटेंट्स के प्रबन्धन में आईसीटी का अभूतपूर्व योगदान हो सकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय वर्चूअल कक्षाओं पर फोकस कर रहे हैं। जिसके माध्यम से हम सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रह रहे विद्यार्थियों को घर बैठे ई-वीडियो, ई-ऑडियो तथा ई-टेक्सट्स के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर सकते हैं। यहां डॉ. निशा सिंह,यूसर्क के निदेशक प्रो. दुर्गेश पंत, डॉ. जितेंद्र पांडेय, कुलसचिव भरत सिंह, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. एचपी शुक्ल, प्रो. गिरिजा पाण्डेय, प्रो. पीडी पंत आदि मौजूद रहे।

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण

ऑनलाइन शिक्षा को डिजिटल प्रबंधन जरूरी

कार्यशाला

जासं, हल्द्वानी : उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय में शुक्रवार को दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई। इसमें डिजिटल कंटेंट के प्रबंधन की क्षमता विषय पर विशेषज्ञों ने विचार रखे और कहा कि डिजिटल कंटेंट का जितना बेहतर प्रबंधन हो सकेगा, उतना ही वह दूसरों के लिए उपयोग साबित होगा।

विद्यार्थियों के अलावा आम व्यक्ति को भी इसकी बारीकियों को समझना बेहद जरूरी है। संचालन डॉ. जितेंद्र पांडेय ने किया। कुलसचिव भरत सिंह ने अतिथियों का धन्यवाद दिया।

इसमें प्रो. गिरिजा पांडेय, प्रो. आरसी मिश्र, प्रो. एचपी शुक्ल, प्रो. पीडी पंत, बालम दफोटी, डॉ. रंजू जोशी, डॉ. मदन मोहन जोशी, डॉ. सूर्यभान सिंह, डॉ. कमल देवलाल, डॉ. चारू पंत, डॉ. प्रीति बोरा, डॉ. राकेश रयाल आदि शामिल रहे।

वर्चुअल क्लास पर रहेगा फोकस : कुलपति

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओपीएस नेगी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा के जरिये हम घर पर शिक्षा प्रदान करते हैं। हमारा उद्देश्य है कि राज्य में हर जरूरतमंद को उच्च शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए डिजिटल कंटेंट्स व सूचना तकनीकी की म[illegible]र्ण भूमिका हो सकती है। विश्वविद्यालय वर्चुअल क्लास पर फोकस कर रहा है। इससे विद्यार्थी अपने घर या अध्ययन केंद्र में बेहतर शिक्षा हासिल कर सकेंगे।

विश्वविद्यालय का यह प्रयास होगा कारगर : प्रो. पंत

विवि कंप्यूटर विज्ञान विद्याशाखा व उत्तराखंड साइंस एजुकेशन एंड रिसर्च सेंटर (यूसर्क) के निदेशक प्रो. दुर्गेश पंत ने कहा कि ऑनलाइन कोर्स में डिजिटल कंटेंट के शत-प्रतिशत प्रयोग को लेकर यह अनूठा प्रयास है। राज्य की भौगोलिक परिस्थिति में तकनीकी का बेहतर उपयोग कर उच्च शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाई जा सकती है।

डिजिटल कंटेंट तैयार करने के तरीके बताए

डॉ. निशा सिंह ने राज्य के अलग-अलग विश्वविद्यालयों और तकनीकी एवं शोध संस्थानों से पहुंचे कंप्यूटर इंजीनियर व वैज्ञानिकों को ऑनलाइन डिजिटल कंटेंट के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ऑनलाइन कोर्स के लिए डिजिटल कंटेंट का सफल प्रबंधन करने की बारीकियां भी बताईं। डॉ. निशा ने ओपन एजुकेशनल रिसोर्स, क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस व लर्निंग मैनेजमेंट का भी प्रशिक्षण दिया।